योग — कर्म में कौशल

सेवा, सिद्धयोग पथ के मूलभूत अभ्यासों में से एक है। श्री मुक्तानन्द आश्रम में स्टाफ़ और विश्वभर से आने वाले सिद्धयोगी, एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन के कार्य को सम्बल प्रदान करने हेतु यानी सिद्धयोग मिशन के प्रति सेवा अर्पित करने हेतु अपना कौशल, प्रतिभा और शक्ति अर्पित करते हैं।

भारत के एक महान ग्रन्थ, श्रीभगवद्गीता में भगवान कृष्ण सिखाते हैं, "कर्म में कौशल ही योग है।" प्रेम व मनोयोग के साथ सेवा अर्पित करने से हम प्रवीणता, आत्मविश्वास, आनन्द व मन के समत्व का विकास करते हैं तथा अपने अस्तित्व के केन्द्र में विद्यमान आनन्द व शक्ति के अक्षय स्रोत के साथ अपने सम्बन्ध को दृढ़ बनाते हैं। इस तरह सेवा का अभ्यास करते हुए हम योग के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ते हैं; यह लक्ष्य है, आत्मा के साथ हमारे ऐक्य का अनवरत बोध।

आप आमन्त्रित हैं कि जब आप, विभिन्न प्रकार की सेवाएँ अर्पित कर रहे इन सिद्धयोगियों की तस्वीरों को देखें तो मनन करें कि कैसे हर एक में केन्द्रण, सम्मान व उत्साह के गुणों के माध्यम से 'कर्म में कौशल' व्यक्त होता है।

© २०१८ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।